प्रश्न 1. भारत की तुलना में तिब्बती महिलाओं की सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।

उत्तर—भारत की तुलना में तिब्बती महिलाओं की स्थिति अधिक सुरक्षित कही जा सकती है। भारतीय महिलाएँ पुरुषों से परदा करती हैं। वे किसी अपरिचित को अपने घर में घुसने की अनुमति नहीं देतीं। उनके घर के अंदर तक जाने का तो प्रश्न नहीं उठता। कारण यह है कि वे स्वयं को असुरक्षित अनुभव करती हैं। तिब्बत की महिलाएँ न तो परदा करती हैं और न किसी अपरिचित से भयभीत होती हैं। बल्कि वे सहज रूप से उन पर विश्वास करके उनका स्वागत ही करती हैं।

प्रश्न 2. भारत के पहाड़ों की तुलना में तिब्बती पहाड़ों की यात्रा कितनी सुरक्षित है?

उत्तर—भारत के पहाड़ों की यात्रा सुरक्षित मानी जाती है। यहाँ यात्रियों को लूटपाट, हत्या, बलात्कार आदि का खतरा नहीं होता। परंतु 1929-30 के तिब्बती पहाड़ों में स्थिति भयंकर थी। वहाँ हथियार रखने से संबंधित कोई कानून नहीं था। इस

Scanned with CamScanner

कारण लोग पिस्तौलें, बंदूकें लिए फिरते थे। पुलिस और गुप्तचर विभाग का भी वहाँ कोई प्रबंध नहीं था। डाकुओं के लिए तो ये शरण-स्थल थे। यहाँ यात्री का खून करना और उसका माल लूट लेना अधिक सुरक्षित था। इसलिए तिब्बती पहाड़ों की यात्रा सुरक्षित नहीं थी।

प्रश्न 3. लेखक को भिखमंगे का वेश बनाकर यात्रा क्यों करनी पड़ी?

उत्तर–तिब्बत के पहाड़ों में लूटपाट और हत्या का भय बना रहता है। अधिकतर हत्याएँ लूटपाट के इरादे से होती थीं। लेखक ने डाकुओं से सुरक्षित होने का यह उपाय किया। उसने भिखमंगे का वेश बनाया। जब भी कोई संदिग्ध आदमी सामने आता, वह 'कुची-कुची' (दया-दया) एक पैसा' कहकर भीख माँगने लगता। इस प्रकार उसने अपनी जान-माल की सुरक्षा के लिए भिखमंगे का वेश अपनाया।

प्रश्न 4. *तिब्बत में किस धर्म के अनुयायी रहते हैं,* प्रमाण-सहित लिखिए?

उत्तर–तिब्बत में बौद्ध धर्म के अनुयायी रहते हैं। इसका प्रमाण यह है कि सुमति बौद्ध धर्म का अनुयायी है। उसके यजमान लगभग हर गाँव में फैले हुए हैं। वह बोधगया से गंडा लाकर सब यजमानों को भेंट करता है तथा उन्हें धर्म से जोड़े रखता है। तिब्बत में हिंदू-मुसलमान सभी बौद्ध धर्म से प्रभावित हैं। सुमति भी मूलत: मुसलमान है। उसका वास्तविक नाम है–लोब्जङ् शेख।

प्रश्न 5. *'नम्से'* कौन था? उसकी चारित्रिक विशेषता पर प्रकाश डालिए।

उत्तर–'नम्से' बौद्ध भिक्षु था। वह शेकर विहार नामक जागीर का प्रमुख भिक्षु था। अन्य प्रबंधक भिक्षुओं के समान उसका जागीर में खूब मान-सम्मान था। नम्से बहुत ही भद्र पुरुष था। उसमें अधिकारी या प्रबंधक होने का मिथ्या अहंकार नहीं था। वह लेखक को बड़े प्रेम से मिला। यद्यपि लेखक की वेशभूषा भिखमंगे जैसी थी। फिर भी नम्से ने उसके साथ प्रेमपूर्वक बातें कीं।

प्रश्न 6. शेकर विहार के मंदिर में रखे बौद्ध ग्रंथों का परिचय दीजिए।

उत्तर–शेकर विहार के मंदिर में बुद्ध के वचनों के हस्तलिखित अनुवादों की 103 पोथियाँ रखी थीं। वहाँ उन्हें 'कन्जुर' कहते हैं। उन पोथियों में बड़े तथा मोटे कागज़ थे। उन कागज़ों पर मोटे-मोटे अक्षरों में बुद्ध-वचन लिखे हुए थे। एक-एक पोथी का वज़न 15-15 सेर रहा होगा।

प्रश्न 7. ठहरने के लिए उचित स्थान से लेखक का क्या तात्पर्य हो सकता है? वेशभूषा के आधार पर किसी के प्रति व्यवहार-नीति तय करना कहाँ तक तर्कसंगत है?

उत्तर–ठहरने के लिए उचित स्थान से लेखक का तात्पर्य था–ऐसा साफ़-सुथरा कमरा, जिसमें यात्री को कोई असुविधा न हो। उसमें गर्मी, सर्दी, बरसात से बचने का उचित प्रबंध हो।

वेशभूषा के आधार पर व्यवहार-नीति तय करना उचित नहीं है। सभी यात्रियों को बराबर सम्मान मिलना चाहिए। हमारे देश में तो संत-महात्मा और अनेक महापुरुष सीधी-सादी वेशभूषा धारण करते हैं। उन्हें ठहरने की उचित जगह न देना गलत ही कहलाएगा। यह एक अलग बात है कि अच्छी वेशभूषा वाले यात्री को अच्छी जगह देना सब लोग पसंद करते हैं।

प्रश्न 8. लेखक सुमति को यजमानों से मिलने क्यों नहीं जाने देना चाहता था?

उत्तर–लेखक को भय था कि सुमति अपने यजमानों के पास जाकर हफ्ता लगा देगा। इतने दिनों तक उसे भी उसकी प्रतीक्षा में ठहरना पड़ेगा। इससे उसकी यात्रा में तथा अध्ययन करने के लक्ष्य में बाधा पड़ेगी।

Scanned with CamScanner